वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 142 | रविवार 15 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ली राइजिंग राजस्थान समिट की समीक्षा बैठक

राजस्थान बन रहा निवेशकों की पहली पसंद, निवेश समिट में प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका होगी अहम

सीपीएसयू से राज्य में निवेश को करें आकर्षित, निवेशकों की जरूरतों की पूर्ति प्राथमिक स्तर पर ही हो पूर्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान समिट के लिए समस्त अधिकारीगण टीम भावना के साथ मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल इन्वेस्टर्स मीट के आयोजन से राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पर राइजिंग राजस्थान समिट की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को निर्देश दिए कि इस समिट के सफल आयोजन के लिए तय समय में सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। उन्होंने दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी डोमेस्टिक इन्वेस्टर्स मीट के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश दिए।

विभाग स्तर पर होगा प्री-समिट का आयोजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभागीय स्तर पर प्री-समिट का आयोजन कार्ययोजना के साथ किया जाए। उन्होंने पर्यटन, नगरीय विकास एवं आवासन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य व रीको, कृषि एवं पशुपालन, शिक्षा, खान एवं पेट्रोलियम, ऊर्जा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों को प्री-समिट के जरिये संबंधित क्षेत्र के निवेशकों के साथ बैठक आयोजित कर निवेश आकर्षित करने के निर्देश दिए।

जिला स्तर पर भी होंगे इन्वेस्टर्स मीट

शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान की सफलता में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इन्वेस्टर्स मीट की अहम भूमिका होगी। इसके लिए जिला कलक्टर्स एवं संबंधित विभाग स्थानीय स्तर पर निवेश के इच्छुक उद्यमियों से संवाद स्थापित कर बैठक आयोजित करें, जिससे निवेश धरातल पर मूर्त रूप ले सके और रोजगार के नवीन अवसर सृजित हो सकें। मुख्यमंत्री ने बैठक में विभिन्न देशों एवं देश के विभिन्न राज्यों में जाकर निवेशकों के साथ बैठक करने वाले अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से निवेशकों को उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाओं की जानकारी दौरा करने वाले अधिकारियों को होना बेहद जरूरी है। उन्होंने राजस्थान फाउन्डेशन के तहत प्रवासी राजस्थानियों को भी प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल,

अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम टी. रविकांत उपस्थित रहे तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी वीसी के माध्यम से जुडे.।

परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
परम पूज्य नवाचार्य श्री १०८ समयसागर जी महाराज
महिला संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108
श्री सुधासागर जी महाराज
के पावन सान्निध्य में
ऐतिहासिक सफलताओं के साथ
अखिल भारतीय श्रमण
संस्कृति महिला महासमिति एवं
श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति
मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव
श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव
श्री 105 वरिष्ठ सागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव
श्री 105 विदेह सागर जी महाराज
29 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन
भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
25-26 सितम्बर, 2024
राष्ट्रीय महिला नेतृत्व श्रीमती शीला जैन डोड्या
टीम का विशेष अनुरोध :
आप सभी सदस्याएँ अधिक से अधिक संख्या
में उपस्थित होकर इस अवसर पर
गुरू आशीष से सिंचित हों।
: परम शिरोमणि संरक्षक :
वृत्ति श्राविका श्रीमती सुशीला पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)
: संरक्षक :
श्रीमती शान्ता पाटनी श्रीमती तारिका पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
शीला जैन डोड्या
जयपुर
महामंत्री
श्रीमती इन्दु गाँधी
अशोक नगर
कोषाध्यक्ष
डॉ. वन्दना जैन
जयपुर
युवा प्रकोष्ठ मंत्री
डॉ. ममता जैन
पुणे
महिला प्रकोष्ठ मंत्री
मधु शाह
कोटा
संयोजक श्रीमती शालिनी बाकलीवाल • श्रीमती संगीता सौगानी • श्रीमती डिम्पल गदिया
श्रीमती ममता गंगवाल • श्रीमती रेखा 'अहिंसा' • श्रीमती मधु पाटनी
सह-संयोजक : श्रीमती रानू कर्रापुर, श्रीमती प्रीति पाली, श्रीमती साक्षी सराफ, श्रीमती सोभना जैन, श्रीमती मीना चश्मा, श्रीमती सुषमा चौधरी, श्रीमती कान्ता जैन, श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती सुनीता नायक, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती ज्योति बम्होरी, श्रीमती रीता मोदी, श्रीमती कल्पना जैन
वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारने वाले महानुभावों हेतु आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।
विद्या सुधामृत सामाजिक कल्याणक समिति, सागर (म.प्र.)
सुरेन्द्र जैन (सट्टू) अध्यक्ष 93029-12981
राजकुमार जैन मिड्ढी महामंत्री 94605-67981
राजेश जैन एड़ीना अध्यक्ष 93029-12981
राजेन्द्र जैन केसली गौरव अध्यक्ष 94251-71451
ऋषभ जैन बादरी मुख्य संयोजक 93029-10021
सुरेन्द्र जैन डबडेरा कोषाध्यक्ष 98262-93384
आशीष जैन पटना स्वागत अध्यक्ष 94251-72301

पिंक क्लब की मासिक मीटिंग में चाय पर चर्चा हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

सोने से तीन घंटे पहले खाने से आप निरोग रहते हैं। पिंक क्लब की मासिक मीटिंग में चाय पर चर्चा के दौरान मेंबर्स ने डॉ सुमन माहेश्वरी (होम्योपैथ, नाड़ी विशेषज्ञ , एस्ट्रोलोजर व वैदिक डायटीशियन) से शुगर से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की । डॉ सुमन ने कहा आप अपनी दिनचर्या में बदलाव लाकर स्वस्थ व सुंदर दिख सकते हैं। इसके लिए आपको घूमना, योगा और व्यायाम करना ही होगा। आजकल हम पढ़कर कुछ भी खाना और परहेज करने लगते हैं जो की नुकसानदायक है । पहले हमें अपनी बीमारी को समझना होगा फिर देखना होगा मौसम कैसा है उसी के अनुरूप पथ्य लेना होगा ।छेने के पानी को फेंकने के बजाय पी लें । अंकुरित दाना मेथी , मूँगफली , कद्दू , तरबूज के बीज अपने आहार में अवश्य शामिल करें । अध्यक्ष सुषमा के के ने कहा अब महिलायें अपने लिए सजग हो गई हैं । डॉ उषा गायत्री गीता अमिता सुमित्रा शीला शशि त्रिविधा यशोधरा उषा दिव्या लता सुषमा अलका आभा आदि ने भी अपने विचार रखे ।

बीजेएस पिंकसीटी द्वारा पर्युषण पर्व के उपलक्ष्य में क्षमापना कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। बीजेएस पिंकसीटी द्वारा पर्युषण पर्व के उपलक्ष्य में क्षमापना दिवस के रूप में एक सभा आयोजित की गई । इसमें बीजेएस के संस्थापक शांति लाल मुथा भी उपस्थित रहे। सभी बीजेएस के सदस्यों ने पूरे साल हुई गलतियों कि क्षमा याचना की व देश के निर्माण में सहयोग का संकल्प लिया । बीजेएस सचिव यश बापना ने सभी को पानी संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, सभी जरूरत बच्चों के शिक्षण आदि के संस्था द्वारा चल रहे कार्यों से अवगत कराया। बीजेएस के सम्प्रति सिंघवी, कमल संचेती , राज गोलेछा, श्रवण दूगड़, दिग्विजय ढाबरिया, संदीप जैन आदि लोगों ने सभा में अपने विचार रखें। बीजेएस पिंकसिटी के अध्यक्ष शरद कांकरिया व आतिश लोढ़ा ने सबका अभिवादन किया। बीजेएस के मीडिया प्रभारी बसंत जैन व राजेश सिंघवी ने संपूर्ण राज्य में पौधारोपण व पर्यावरण संरक्षण का जिम्मा लिया।

इच्छाएं अनंत हैं। मनुष्य की एक इच्छा पूर्ण होती है और शीघ्र ही दूसरी इच्छा उत्पन्न हो जाती है :मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने दशलक्षण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि इच्छाएं अनंत हैं। मनुष्य की एक इच्छा पूर्ण होती है और शीघ्र ही दूसरी इच्छा उत्पन्न हो जाती है इस प्रकार इच्छाओं का अंत नहीं होता। इसलिए आचार्यों ने कहा है की इच्छाओं का दमन करो। इच्छाओं का निरोध तप है गलती पर पश्चाताप होना प्रायश्चित है। वात, कफ, पित्त न हो शरीर में सन्तुलन बनाये रखने के लिए उपवास करें। उपवास से शरीर की क्षमता बढ़ जाती है दिन रात खाने वाला बीमार हो जाता है संसारी प्राणी की विचित्र दशा है उसे जो मिला जैसा मिला खा लेता है गधा तो तंबाकू नहीं खाएगा वह तो घास ही खाएगो मनुष्य तो पता नहीं क्या-क्या खाता है। आत्मा शुद्ध है, उसके लिए मुनि जंगल में तपती धूप में पत्थर की शिला पर साधना कर रहे थे। उधर से एक ग्वाला सर पर घी का घड़ा लेकर आता है देखता है तो उसके भाव मुनिश्री की वैयावृत्ति के होते हैं, उसने मुनि के सिर पर घी लगाया, जिससे कि उनको ठंडक पहुंचे, उसने उनके सिर पर घी लगाया जो पूरे शरीर पर आ गया। वह वहां से चला गया उसके बाद धी की खुशबू से मुनि के शरीर पर चीटियां आ गई । जो मुनि पर उपसर्ग का कारण बनी। कुछ समय बाद एक आवारा लड़का गन्ना चूसते हुए आ रहा था, देखा कहा कि हे नंगे बाबा यहां क्या कर रहे हो, जवाब नहीं देते तो वह गन्ना चूसते चूसते मुनि श्री के पास छिलके फैक जाता है जिससे वह चीटियां जो मुनिश्री के शरीर पर आ गई थी सब गन्ने के छिलकों के पास चली जाती है। जिससे मुनि श्री का उपसर्ग दूर हो जाता है यहां उपसर्ग दूर करना अच्छी बात है लेकिन उसका अभिप्राय उपसर्ग दूर करने का नहीं था ग्वाले का अभिप्राय वैयावृत्ति का था, उपसर्ग हो गया। अतः अभिप्राय के अनुसार क्रिया का फल मिलता है। दृढ़ता के साथ तप करना आत्म साधना करना उत्तम तप है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि दशलक्षण महापर्व में प्रातः 6.15 बजे प्रथम अभिषेक शांतिधारा डॉ प्रेमचंद रांवका के सुपुत्र प्रमोद प्रदीप जैन ने की।

वेद ज्ञान

अज्ञान घातक शत्रु

अज्ञान आपका घातक शत्रु है, जबकि ज्ञान हितैषी मित्र। ज्ञान जीवन के लिए आशा, उमंग, प्रेरणा, उत्साह व आनंद के इतने गवाक्ष खोल देता है कि जीवन का क्षण-क्षण ईश्वर का अनमोल उपहार प्रतीत होता है। एक सृजनशील क्षण आपको प्रतिष्ठा के उत्तुंग शिखर पर प्रतिस्थापित कर सकता है, जबकि कुविचार की अवस्था में क्षण भर का निर्णय आपको निकृष्टता की गर्त में धकेलकर जन्म-जन्मांतरों के लिए आपको लांछित व कलंकित करने के लिए पर्याप्त है। अज्ञान हमें निराशा और पतन की ओर ले जाता है, जबकि ज्ञान आात्मिक उन्नति का पर्याय बन जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला भी बनाता है। जीवन में यत्र-तत्र-सर्वत्र आनंद व सृजन का सौरभ प्रवाहित करता रहता है। चाणक्य ने कहा है कि अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं है। अज्ञान के अंधकार में ज्ञान रूपी प्रकाश के अभाव में भविष्य रूपी भाग्य की राहें अदृष्ट हो जाती हैं और मनुष्य असहाय होकर अपने कर्म व चिंतन की दहलीज पर ही ठोकरें खाने को विवश होता है। मंजिल व लक्ष्य पास होने पर भी वह उसे न पाने के लिए अभिशप्त होता है। फिर वह अपनी ही सोच व कर्म के चक्रव्यूह में फंसकर भय से प्रकंपित होता रहता है। कनफ्यूशियस का मानना है कि अज्ञान मन की निशा है, किंतु वह निशा, जिसमें न तो चंद्र है और न ही नक्षत्र। ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है, जबकि अज्ञान अतृप्ति, असंतोष, अशांति व भय का उपहार देता है। प्रसिद्ध विचारक ए. होम का मत है कि अज्ञान भय की जननी है। वास्तव में सभी अपराध, विध्वंस, कुकृत्य और अनैतिक कार्य अज्ञान से प्रेरित होकर ही किए जाते हैं। चोर अज्ञानता में ही चोरी का अनैतिक कार्य करता है। वह उसे जीवन का चरम और परम व्यवसाय लगता है, किंतु ज्ञान व बोध हो जाने पर उसके आगोश में बिताए गए क्षणों के प्रति पश्चाताप का भाव उत्पन्न होता है। शेक्सपियर ने अज्ञान को अंधकार कहा है, जिसमें मनुष्य घुटने के लिए विवश होता है। अज्ञानता दूसरे अर्थों में अनपढ़ता ही है, जिसके रहते समग्र जीवन में अंधकार, नैराश्य व भय व्याप्त रहता है। सकारात्मकता की छाया भी दृष्टिगत नहीं होती। ऐसा निरुद्देश्यपूर्ण जीवन भला किस अर्थ का?

संपादकीय

केजरीवाल की जमानत के मायने...

आबकारी नीति घोटाले में अंततः दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। ऐसा होने के आसार इसलिए बढ़ गए थे, क्योंकि उनके पहले इस मामले में जेल भेजे गए अन्य लोगों को भी जमानत मिल चुकी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देते समय उन पर कई शर्तें लगाईं और उनके तहत वह मुख्यमंत्री कार्यालय नहीं जा सकते और किसी सरकारी फाइल पर उपराज्यपाल की

अनुमति के बिना हस्ताक्षर भी नहीं कर सकते, लेकिन उन्हें जमानत देते समय सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने जिस तरह यह कहा कि सीबीआई को अपने को पिंजरे के तोते वाली छवि से मुक्त करना चाहिए, वह इस एजेंसी के लिए एक बड़ा आघात है। यह ठीक है कि उक्त न्यायाधीश ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध नहीं कहा, लेकिन उन्होंने गिरफ्तारी के समय पर यह सवाल उठाते हुए सीबीआई को असहज ही किया कि आखिर उसने उन्हें तब क्यों गिरफ्तार किया, जब उन्हें ईडी के मामले में जमानत मिल गई थी? यदि इस सवाल के चलते आम आदमी पार्टी के नेता सीबीआई की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं तो उन्हें गलत कैसे कहा जा सकता है? यह पहली बार नहीं है, जब सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट से यह सुनना पड़ा हो कि वह सरकार के दबाव और प्रभाव में काम करती है। इसके पहले मनमोहन सरकार के समय कोयला खदान आवंटन में घोटाले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उसे पिंजरे का तोता कहा था। यह ठीक नहीं कि सीबीआई इस छवि से बाहर नहीं आ पा रही है कि वह सरकार के इशारे पर काम करती है। सीबीआई की ऐसी छवि मोदी सरकार पर भी एक सवाल है, जिसकी ओर से यह दावा किया जाता है कि यह एक स्वतंत्र एजेंसी है और उसके कामकाज में उसका कोई दखल नहीं। केजरीवाल की जमानत पर पक्ष-विपक्ष के दावों के बीच इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सुप्रीम कोर्ट ने फिर से यह रेखांकित किया कि जमानत नियम और जेल अपवाद है। वह यह बात पहले भी कई बार कह चुका है। क्या उसकी यह बात निचली अदालतों और यहां तक कि उच्च न्यायालयों तक पहुंच नहीं पा रही है? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अरविंद केजरीवाल हों या मनीष सिसोदिया अथवा के. कविता या फिर अन्य मामलों में जेल गए दूसरे नेता, उन्हें आमतौर पर जमानत तभी मिल सकी, जब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया। आखिर लोगों को निचली अदालतों और उच्च न्यायालयों से जमानत क्यों नहीं मिल पाती? यह वह प्रश्न है, जिसका उत्तर न्यायपालिका को देना है और यह दिया ही जाना चाहिए। इसी तरह यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि अधिकांश मामलों में ट्रायल शुरू होने में देरी क्यों होती है? ध्यान रहे कि सुप्रीम कोर्ट प्रायः जमानत इसलिए भी दे देता है, क्योंकि यह पता नहीं होता कि ट्रायल कब शुरू होगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बच्चों में बढ़ता 'स्क्रीन टाइम'

पिछले दिनों स्वीडन के समाज कल्याण व जन-स्वास्थ्य से जुड़े मंत्री ने कहा कि दो वर्ष तक के बच्चों को किसी भी तरह के डिजिटल उपकरण का उपयोग नहीं करने देना चाहिए, क्योंकि माता-पिता, बाल-रोग विशेषज्ञ और सरकार इस तकनीकी माहौल से कैसे निपटा जाए, इसकी कोशिशों में जुटे हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि हमें चीजों को फिर से अपने नियंत्रण में लेना होगा। बचपन को नए सिरे से परिभाषित करना होगा और बच्चों को उनका बचपन वापस लौटाना होगा। उनकी मासूमियत बचाने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य का सही विकास हो, यह भी आवश्यक है। स्वीडन ने 'स्क्रीन टाइम' के बारे में जो अपनी रिपोर्ट जारी की है, उसकी प्रमुख बातें हैं- दो साल तक के बच्चों को स्क्रीन से बिल्कुल दूर रखा जाए। दो से पांच साल तक के बच्चे एक घंटे, छह से बारह साल के बच्चे दो घंटे और किशोर तीन घंटे से ज्यादा वक्त स्क्रीन पर न बिताएं। सोते वक्त या शयन कक्ष में मोबाइल या किसी किस्म की स्क्रीन का प्रयोग बिल्कुल वर्जित किया जाए। जाहिर है, माता-पिता और अभिभावकों को खास ध्यान देना होगा कि उनके बच्चे कम से कम समय किसी स्क्रीन पर बिताएं। इसके लिए वे अपने बच्चों से ज्यादा बातचीत करें, उन्हें अधिक समय दें। यही नहीं, उनका बच्चा कितना समय स्क्रीन पर बिता रहा है, इस पर नजर जरूर रखें। अमेरिका और आयरलैंड के बाल रोग विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक बच्चा डेढ़ साल का न हो जाए, तब तक उसे मोबाइल या किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रखा जाना चाहिए। फ्रांस में तो इससे भी आगे की बात कही गई कि तीन साल से पहले बच्चों के हाथों में मोबाइल नहीं थमाना चाहिए और किसी भी तरह की स्क्रीन से उन्हें दूर रखना चाहिए। इसमें टेलीविजन स्क्रीन भी शामिल है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि जो बच्चे अभी बोलना, चलना सीख रहे हैं, उनका किसी भी तरह की स्क्रीन पर समय बिताना उन्हें कुछ नहीं सिखाता। एक सर्वे में यह भी पाया गया था कि जो बच्चे स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताते हैं, वे देर से बोलना सीखते हैं। भारत में भी कोई अच्छी स्थिति नहीं है। यहां भी बच्चे समझते हैं कि लोगों से दूरी और फोन से नजदीकी बहुत अच्छी बात है। विशेषज्ञ लगातार कह रहे हैं कि बच्चों को तकनीक से दोस्ती के मुकाबले इंसान से दोस्ती सिखानी चाहिए। पिछले दिनों डेढ़ लाख लोगों पर किए गए एक सर्वे में यह बात सामने आई थी कि भारत में मानसिक स्वास्थ्य कमजोर होता जा रहा है। हमारे बच्चों और युवाओं में मोबाइल की लत बढ़ती जा रही है। इसके अलावा, यह भी देखने में आया है कि बच्चे और किशोर स्क्रीन टाइम के दौरान कुछ न कुछ खाते रहते हैं। अक्सर वे अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड, जिसको जंक फूड कहा जा सकता है, ही खाते है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्थापित कर चुके हैं कि इनका अधिक उपयोग सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। जाहिर है, इससे मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ते हैं, क्योंकि दोनों का आपस में गहरा संबंध है। स्क्रीन टाइम में बढ़ोतरी के कारण बच्चे अब परिवार वालों से कम बातचीत करते हैं, दोस्तों से मिलते-जुलते नहीं, उनके बीच आपसी संवाद लगातार कम होता जा रहा है। वे बाहर खेलना भी पसंद नहीं करते। इससे सामाजीकरण की प्रक्रिया से वे लगातार बाहर होते जा रहे हैं और अलग-थलग पड़ रहे हैं। यह अकेलापन उनके विकास और भविष्य के लिहाज से बेहद घातक है।

तप चाहैं सुरराय, करम शिखर को वज्र है, द्वादश विधि सुखदाय,क्यों न करै निज सक्ति समः प्राचार्य सतीश

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व के सातवें दिन उत्तम तप धर्म विधान की पूजन की गई। इस अवसर पर प्राचार्य सतीश जैन ने तप धर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बारह प्रकार के तप होते हैं छह अंतरंग और छह बहीरंग है। इच्छाओं का निरोध करना तप है। जो व्रत उपवास आदि किए जाते हैं उनमें किसी प्रकार की आकुलता नहीं होनी चाहिए। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आज के पूजन स्थापना पुण्यर्जक प्रदीप अर्चना निगोतिया एवं परिवार रहे। सायकालीन आरती के पुण्यार्जक अश्विनी मधु जैन एवं परिवार रहा। साथ ही संगीतमय धार्मिक हाउजी का शानदार कार्यक्रम रखा गया जिसके प्रस्तुतिकर्ता सिद्धार्थ जैन एवं पार्टी रहे। इस कार्यक्रम में समाज के सभी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया गया, जिसके पुन्यार्जक और दीप प्रज्वलन कर्ता श्रीमती सुमन लता, प्रदीप खुशबू सोगानी एवं परिवार रहे। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद्र पांड्या रहे। सुगंध दशमी के अवसर पर आयोजित आरती सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम श्रीमती बबीता त्रिशला जैन धुंआ वाले, द्वितीय श्रीमती पूजा जैन, तृतीय श्रीमती नमिता ठोलिया और चतुर्थ श्रीमती लता बैराठी रही।

धुलियान में दशलक्षण महापर्व का उत्तम संयम धर्म व धूप दशमी मनाई

धुलियान, मुर्शिदाबाद. शाबाश इंडिया। भाद्रपद शुक्ल दशमी में पंडित बीरेन्द्र शास्त्री (हीरापुर,सागर) के सानिध्य में धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल के भव्य जिनालय में दशलक्षण पर्वका उत्तम संयम धर्म पर्व व धुप दशमी(सुगंध दशमी) का अर्घ उत्साह के साथ चढ़ाया गया । मंदिर में रोजाना अभिषेक शांति धारा के पश्चात गाजे बाजे के साथ पुजन होता है, दोपहर को तत्वार्थसुत्र का पाठ उसके बाद प्रतिक्रमण तथा सायःको महाआरती, पंडित जी का प्रवचन तथा रंगारंग धार्मिक कार्यक्रम होता है। संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल।

दसलक्षण महापर्व में उत्तम तप धर्म की पूजा हुई

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के सबसे बड़े पर्व दसलक्षण महापर्व के सातवे दिन भाद्रपद शुक्ल एकादशी वार शनिवार को श्री दिगम्बर जैन मंदिर में जिनेन्द्र भगवान की शांतिधारा धारा करने भंवरलाल मक्खनलाल राहुल कुमार सेठी व सुगंधित धारा करने का सौभाग्य मोतीलाल संतोष कुमार छाबड़ा परिवार को मिला इसके पश्चात नए हॉल में नित्य पूजा पाठ व दस धर्मो की पूजा खूब भक्तिभाव पूर्वक हुई। मंत्री पारसमल बगड़ा ने उत्तम तप धर्म के बारे में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि तप शब्द सुनने से परंपरागत भ्रम हमारे मन में बैठा हुआ है कि तप के मायने हैं बहुत कठिनाई का जीवन जीना। परन्तु तप या तपस्या के असली मायने हैं ज़िन्दगी को बहुत आसानी से जीना। हमारा जीवन इच्छाओं का 'अक्षय पात्र' है और उनको पूरा करने के लिए हम अपने जीवन में कितनी मुश्किलें खड़ी कर लेते हैं। संसार में बिना तप के कुछ नहीं मिलता और ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे तप से प्राप्त न किया जा सके । समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सड़वाला ने बताया की इस बार समाज के 6 लोग दसलक्षण व्रत का पालन कर रहे है।महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि अनंत चतुर्दशी के दिन पर्व का समापन होगा।

हम दूसरों को अपने आधीन बनाने की प्रवृत्ति को छोड़ें तब संयम आयेगा: मुनि पुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज

सागर में चल रहा है आखिल भारतीय श्रावक संस्कार शिविर

दस हजार दीपों से शिविरार्थी ने की महाआरती

सागर. शाबाश इंडिया

आज संयम धर्म इसी बात को बता रहा है हमारी सत्ता बनी रहे शक्ति हीन व्यक्ति हाथ पर हाथ रख कर बैठ जायें तो समझ में आता है लेकिन भगवन आप अनंत शक्ति मान हो फिर भी हाथ पर हाथ रखें बैठे हैं भगवन आपको हमारी जरूरत नहीं है लेकिन हमें तो आप की प्रतिपल आवश्यकता है जब व्यक्ति को ये पता चल जाता है कि मेरे पास सब कुछ है तो ये दुनिया को कुचल देंगे इन बड़े आदमी को दुनिया से अव कुछ लेना-देना नहीं रहा ऐसे भगवान को इस दुनिया से कुछ भी लेना-देना नहीं,है वे किसी को कुचलेंगे नहीं लेकिन आपका सहयोग करने नहीं आयेंगे आप सोचते हैं कि मैं किसी के आधीन नहीं रहूगा थोड़ा सुधार कर लें मैं किसी को अपनी कठपुतली नहीं बनाऊंगा जब तुम किसी के अनुकूल नहीं चल सकते हो तो हम दूसरे को अपने आधीन ना करें सब चाहते हैं कि मुझे किसी की दासता सुईकार करना ना पड़े हे भगवान ऐसी ताकत दे किसी की मुझे कपड़ो की जरूरत ही न पड़े इस तरह के भाये ये आज का धर्म कहता है उक्त आश्य केउद्वार भाग्योदय तीर्थ सागर में 31वे श्रावक संस्कार शिविर को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। दस लक्षण महापर्व में दस हजार आठ दीपों से हुई महाआरती। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि 31वे श्रावक संस्कार शिविर में परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री वरिष्ठ सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया बाल ब्रह्मचारी विनोद भइया के मधुर भजनों के साथ दस हजार आठ दीपों से महा आरती की गई जिसमें शिविर पुण्यार्क ऋषभ कुमार प्रदीप कुमार बांदरी परिवार सहित शिविर निर्देशक हुकुम काका दिनेश गंगवाल सहित अन्य भक्तों ने महा आरती में भाग लिया।

दशलक्षण महापर्व का छठा दिन

जैन बन्धुओं ने मनाई सुगन्ध दशमी

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के चल रहे दशलक्षण महापर्व में शुक्रवार,13 सितम्बर को छठे दिन वीतराग धर्म का उत्तम संयम लक्षण भक्ति भाव से मनाया गया एवं सुगंध दशमी पर्व मनाया गया। सायकांल श्रद्धालुओं ने अष्ट कर्मो की निर्जरा के लिए धूपाणो में अग्नि पर धूप खेई। इस मौके पर कस्बें सहित आसपास के दिगम्बर जैन मंदिर चन्दन की धूप से महक उठे। भगवान के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठे। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस मौके पर महिलाओं द्वारा सुगंध दशमी के व्रत, उपवास किये गये। कई महिलाओं द्वारा सुगंध दशमी व्रत के दस व्रत, उपवास पूर्ण होने पर मण्डल पर व्रत कथा पूजा करवाने के साथ उद्यापन किया गया। प्रचार- प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि इससे पूर्व दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म में उत्तम संयम लक्षण की विधान मंडल पर अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। कोटखावदा के बडा बास स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में सायंकाल महाआरती, णमोकार महामंत्र के जाप, भगवान आदिनाथ का चालीसा, भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। रिंकू वैद एवं नीलम अजमेरा ने नृत्य के साथ मंगलाचरण प्रस्तुत किया। तत्पश्चात रियांशी जैन के निर्देशन में बालक बालिकाओं ने सती चन्दन बाला नाटक का मंचन किया। रितेश वैद एवं अमन जैन कोटखावदा के मुताबिक गढ का बास के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,बडा बास स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार बापू गांव, रुपाहेडीकलां, काशीपुरा, दणाऊकला, निमोडिया, महादेवपुरा आदि के दिगम्बर जैन मन्दिरों में दशलक्षण महापर्व मनाया गया।

जवाहर नगर जैन मंदिर में सजी नवग्रह जिनालय झांकी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जवाहर नगर में धूप दशमी के अवसर पर नवग्रह जिनालय झांकी का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र बक्शी और और मंत्री अजय गोधा ने बताया कि झांकी का शुभारंभ टीकम -चंद्रकांता गोधा, अरिहंत-दीक्षा बक्शी, कुणाल-छवि, यश्विन जी एवं साम्या गोधा परिवार द्वारा किया गया। समाज के सभी धर्मावलंबी ने मंदिर में जाकर श्रीजी के चरणों में धूप अर्पित की । धूप की सुगंध से जिनालय महक उठे । देर रात तक समाज बंधु झांकी के अवलोकन के लिए आते रहे । संयोजक विजय पाटोदी , चिराग जैन और नवीन बड़जात्या रहे ।

जीवन की आवश्यकताएं संयम की उतनी बाधक नहीं जितनी भोग और ऐश्वर्य की आकांक्षाएं हैं : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने दशलक्षण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि, आत्म प्रवृत्तियों को रोकना संयम है। जीवन की आवश्यकताएं संयम की उतनी बाधक नहीं जितनी भोग और ऐश्वर्य की आकांक्षाएं हैं। अतः हर कदम पर नियंत्रण रखना संयम है। गृहस्थ जीवन में सोच समझकर कार्य करना, अर्थात विवेक पूर्वक करना, सही और गलत का निर्णय करना, व्रत नियम जीवन में संकल्प लेकर ही किया जाना चाहिए। बिना संकल्प के व्रत नियम पालन करने का कोई पुण्य नहीं। अतः संकल्प लेते ही निर्जरा प्रारंभ हो जाती है, व्यवधान आने पर भी संकल्प से नहीं डिगना, नियम लेने के बाद परीक्षा अवश्य होगी। अतः जीवन में संकल्प लेना आवश्यक है। संयम का अर्थ दमन नहीं है, जो ऊर्जा सांसारिक विषयों में जा रही है उसे संयमित करना संयम है। भीतरी ऊर्जा के द्वारा आध्यात्मिक शक्ति मिलती है, यही हमारा अंतिम लक्ष्य है। कबीर दास जी का दोहा बताते हुए कहा कि चलती चक्की देखकर देख कबीरा रोय दो पाटन के बीच में साबूत बचा ना कोय, अर्थात चक्की में संसारी प्राणी पिस रहा है। तो इस पर बेटे ने कहा कि चक्की में कीले के पास के गेहू नहीं पिसते, धर्म का सहारा लेगा तो उसका बाल भी बांका नहीं होगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि दशलक्षण महापर्व में प्रातः 6.15 बजे प्रथम अभिषेक शांतिधारा डॉ मोहनलाल जी मणि डॉ मनीष जी जैन ने की। दशलक्षण मंडल विधान में उत्तम संयम धर्म की पूजा मण्डल पर महावीर प्रसाद हेमलता बाकलीवाल ने श्रद्धालुओं के साथ बड़े भक्ति भाव से कर धर्म प्रभावना की। सायंकाल महा आरती करने का पुण्यार्जन हर्ष चन्द श्रीमती मुन्ना देवी सोगानी परिवार ने प्राप्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगम्बर जैन मंदिर पल्लीवाल में भव्य झांकी सजाई गई

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुगंध दशमी के महान पर्व पर श्री 1008 चंद्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर पल्लीवाल में शक्तिनगर महिला मंडल द्वारा प्रणम्य सागर जी महाराज के आशीर्वाद से अर्हम ध्यान योग विषय पर सजीव झांकी लगाई गई। झांकी में पांच योगों का छोटे छोटे बच्चो द्वारा सजीव चित्रण किया गया। झांकी का उदघाटन सोहनलाल छाबड़ा और दीप प्रज्वलन श्रीमती विमला द्वारा किया गया। इस मौके पर राजस्थान युवा महासभा से प्रदीप ,विनोद कोटखावदा और अन्य गणमान्य पदाधिकारी झांकी के अवलोकन के लिए पधारे। मंदिर के अध्यक्ष शिखर और मंत्री पारस ने सभी का स्वागत किया। झांकी देखने आए सभी लोगो ने झांकी को खूब सराहा। राजकुमार बेद ओर प्रमोद गंगवाल ने झांकी देखने आए सभी लोगो का आभार प्रकट किया। इस झांकी को बनाने में सुनीता अजमेरा, मीनू गंगवाल, राजकुमारी बेद,अंकिता बिलाला, प्रेमलता बोहरा, बरखा गोधा, नीतू जैन, नेहा पाटनी, रमिता गोधा, मीतू पाटोदी और महिला मंडल की सभी महिलाओं का अमूल्य योगदान रहा।

डॉ.कांता मीना ''हिंदी काव्य रत्न'' मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान की शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ.कांता मीना को नेपाल के लुंबिनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक महत्व की गौरवशाली हिंदी दिवस अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता कार्यक्रम में शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल के अध्यक्ष आनंद गिरि मायालु व सचिव चरना कौर द्वारा ''हिंदी काव्य रत्न'' मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित किया गया इस प्रतियोगिता में नेपाल,भारत, अमेरिका,कनाडा तथा तंजानिया आदि देशों के 6742 महिला व पुरुष रचनाकारों की सहभागिता थी जिसमें 675 प्रतिभाओं का उत्कृष्ट कविता के आधार पर चयन कर सम्मानित किया गया है। डॉ.मीना देश भर के विभिन्न समाचार पत्रों,पत्र- पत्रिकाओं में लगातार लेखन कार्य कर रही है। और शिक्षा ओर साहित्य के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। अब तक डॉ. मीना को शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में अनेक साहित्यिक पुरस्कारो से सम्मानित किया जा चुका है। इनकी दो पुस्तकें काव्य संग्रह कैलाशी व कहानी संग्रह तरुशिखा प्रकाशित हो चुके है।

समय अमूल्य है, और उसका सदुपयोग करो: साध्वी मधु सुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। समय अमूल्य है, और उसका सदुपयोग वही कर सकता है जो उसकी महत्ता को समझता है। पंचायती नौहरा, मुखर्जी चौक में आयोजित धर्मसभा में शनिवार को ज्ञान सादिका साध्वी मधु सुधा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिताया हुआ समय लौटकर कभी नहीं आता, लेकिन यदि समय रहते इंसान चेत जाए तो वह अपने जीवन को सफल बना सकता है। साध्वी ने कहा कि जो व्यक्ति समय की कद्र नहीं करता, वह भविष्य में पछताता है। सफल व्यक्ति कभी भी अपने समय का दुरुपयोग नहीं करते, बल्कि उसका सदुपयोग करते हैं, और यही कारण है कि उनका जीवन सफल होता है। साध्वी संयम सुधा ने अपने प्रवचन में कहा कि मानव जन्म बार-बार नहीं मिलता, और समय को साधकर आत्मा को संसार के जन्म-मरण के बंधनों से मुक्त किया जा सकता है।

हिंदी दिवस पर शब्द प्रतिभा ने किया सैकड़ों लेखकों को सम्मानित

आनन्द गिरि मायालु. शाबाश इंडिया

लुंबिनी, नेपाल। नेपाल की पवित्र भूमि लुंबिनी में अंतरराष्ट्रीय स्तर की कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस के संदर्भ में आयोजित हिंदी दिवस अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई है। नेपाल भारत मैत्री सम्बंध मजबूत बनाने, देवनागरी लिपि के संरक्षण, हिंदी भाषा को नेपाल भारत की मैत्री भाषा बनाने तथा हिंदी के रचनाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल द्वारा ऑनलाइन आयोजित की गई कविता में नेपाल, भारत, कनाडा, अमेरिका, आस्ट्रेलिया तथा तंजानिया से 6742 महिला पुरुष रचनाकारों की सहभागिता रही है। सहभागिता व्यक्त करने वालों में 16 वर्ष के बालकों से लेकर 75 वर्ष के वयोवृद्ध रचनाकार रहे हैं। प्रतियोगिता में विभिन्न सरकारी तथा निजी कार्यालयों के बड़े बड़े पद के अधिकारी तथा राजनीतिक दल के नेताओं की सहभागिता रही है। उत्कृष्ट रचना के आधार पर 675 रचनाकारों का चयन किया गया जिन्हें प्रमाण पत्र प्रदान कर ''हिंदी काव्य रत्न'' मानद उपाधि सम्मान से तथा 25 नवोदित रचनाकारों को ''काव्यश्री सम्मान'' से सम्मानित किया गया है। हिंदी दिवस के अवसर पर बोलते हुए संस्था अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु ने कहा - ''हिंदी विश्व भाषा बन चुकी है। हिंदी भाषा को बोलने में जितना आनन्द आता है उतना ही सरल है इसे बोलना। आज के कुछ युवा हिंदी भाषा बोलने पर हीनता बोध कर रहे हैं। अंग्रेजी के पीछे भागने से अपनी मौलिकता खो जायेगी इसलिए सभी को अपनी मातृभाषा को अपनी प्राथमिकता में रखनी चाहिए। प्रतियोगिता नेपाल भारत मैत्री सम्बंध मजबूत बनाने में सफल रही है सभी सहभागियों का आभार व्यक्त करता हूं।'' ज्ञात हो कि शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल देश विदेश की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न निःशुल्क ऑनलाइन आयोजन करती आई है। संस्था 2025 में विश्व में पहली बार विश्व की सबसे बड़ी साहित्यिक परिचय डायरेक्ट्री प्रकाशन की योजना में है। प्रतिभागी तमिलनाडु के चेन्नई से डॉ मंजु रुस्तगी ने संस्था को धन्यवाद देते हुए कहा - शब्द प्रतिभा संस्था देश विदेश के हिंदी प्रेमियों को जोड़ने के लिए पुल का कार्य कर रहा है साथ ही हम जैसे लेखकों को सम्मान के माध्यम से प्रोत्साहित कर रही है सच में संस्था द्वारा किया जा रहा कार्य प्रसंशनीय है।

उत्तम सत्य धर्म- सत्य प्रताड़ित हो सकता है मगर कभी पराजित नहीं हो सकता है : आर्यिका पवित्रमति माताजी

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा । उत्तम सत्य धर्म के पांचवें दिन आज प्रातः 1008 आदिनाथ मंदिर की 1008 भगवान महावीर समवशरण सुखोदय तीर्थ नसिया जी में विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया अभिषेक के बाद चातुर्मास परिसर में सिंहासन पर विराजमान श्रीजी की प्रतिमा का अभिषेक शांति धारा पवित्रमति माताजी करणमती माताजी गरिमा मति माताजी के सानिध्य में श्रीजी का अभिषेक किया गया। अभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य साध्य कपिल पंचोरी को प्राप्त हुआ एवं उपस्थित संस्कार शिविर में भाग लेने वाले शिवराथीयों द्वारा अभिषेक किया गया अभिषेक के बाद पंडित रमेश चंद्र गांधी मोनू भैया मुंगावली मध्य प्रदेश वीणा दीदी के दिशा निर्देशन में पंच मेरु विधान के अर्घ्य बड़ी भक्ति भाव से वाद्य यंत्रों की मधुर स्वरों के साथ बारी-बारी से चढ़ाए गए इस अवसर पर 10 लक्षण पूजन 16 कारण पूजन पंचमेरु पूजन की गई इस अवसर पर अष्ट द्रव्य के थाल सजाकर महिलाओं द्वारा गरबा नृत्य करते हुए अर्घ्य चढ़ाऐ आज के विधान के पुण्यार्जक नरेंद्र कुमार नथमल थे । विधान में सोधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य पंचोरी मेहुल कैलाश को प्राप्त हुआ भक्तांबर विधान पुण्यार्जक पंचोरी भरत कुमार अमृतलाल जी होंगे। दोपहर में तत्वार्थ सूत्र का वाचन किया गया शाम को प्रतिक्रमण महाआरती के बाद राशि दीदी द्वारा प्रवचन किया गया एवं मोनू भैया की दिशा निर्देशन में 48 दीप विधान के दीप प्रज्वल किए गए इस अवसर चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष निलेश जैन राजेंद्र गांधी नरेश जैन ने बताया कि अभी संस्कार शिविर में शिविरार्थियों के व्रत उपवास चल रहे हैं प्रातः 5:00 बजे प्रार्थना प्रतिक्रमण स्वाध्याय राशि दीदी द्वारा करवाया जाता है ।

सिद्धार्थ नगर में सुगंध दशमी पर झांकी सजाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महावीर स्वामी खंडाकन मंदिर सिद्धार्थ नगर में महापौर ग्रेटर सौम्या गुर्जर ने झांकी का उद्घाटन किया। श्रीमती सौम्या गुर्जर का स्वागत महिला मंडल की अध्यक्ष विद्युत लुहड़िया, मंत्री प्रीति लुहड़िया कार्यकारिणी सदस्य नविता जैन छाबड़ा, सुचेता जैन ने किया। महामंत्री आशीष जैन छाबड़ा ने बताया महापौर ने पूरी झांकी का अवलोकन कर उसके पश्चात सभी उपस्थित समाज जनों का जय जिनेंद्र के साथ अभिवादन करते हुए णमोकार मंत्र के साथ झांकी की भूरी-भूरी प्रशंसा करी और उन्होंने कहा कि यह सही है बीपीसम्मेद शिखरजी पर हमें स्वयं को सफाई का विशेष ध्यान रखना होगा और सम्मेद शिखरजी ही नहीं अपने शहर में भी हमको यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए महामंत्री आशीष जैन ने उनके सफाई के और गाय की रोटी के संबंध में अध्यक्ष पारस जैन आगरा वाले द्वारा सिद्धार्थ नगर में घर-घर से गाय की रोटी लेने हेतु गाड़ी चलाई जा रही है बताया तो महापौर ने काफी सराहना इस कार्य की करी और उन्होंने पारस जैन को कहा नगर निगम से जो सुविधा चाहिए वह मिल जाएगी इसे आप सिद्धार्थनगर के अलावा अन्य कॉलोनी में भी चालवने का प्रयास करें। समन्वयक पवन तेरापंथी व राजेश जैन ने बताया झांकी के विशिष्ट अतिथि राजीव पाटनी, चित्र अनावरण दिनेश लालसोट वाले परिवार द्वारा किया गया।

लायंस व जायंट्स ग्रुप का निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित

अंगदान राष्ट्र की आवश्यकता : डा.सी.पी गोस्वामी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

रिको स्थित विकास सिंटेक्स में आज लायंस क्लब, जायंट्स ग्रुप तथा पंजाबी खत्री अरोड़ा समाज के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे 139 जरूरतमंदों की जांच कर चश्मे व दवाईयाँ वितरित की गई। प्रारम्भ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. सी. पी. गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर डॉक्टर गोस्वामी ने संबोधित करते हुए कहा कि लायंस सदस्य नेत्रदान व जायंट्स सदस्य ऑर्गन डोनेशन पर अच्छा कार्य कर रहे है। अंगदान राष्ट्र की आवश्यकता है। अंग प्रत्यारोपण के इंतजार हर रोज 17 व्यक्तियो की मृत्यु हो जाती है। लायंस के पूर्व गवर्नर दिलीप तोशनीवाल ने कहा कि नेत्र दान अवश्य करे, ताकि मृत्यु के उपरान्त भी दुनिया देख सके। जायंट्स के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र जैन ने कहा कि देहदान या अंगदान करने वालों को राजकीय सम्मान मिलना चाहिये। इससे समाज में जागरूकता बढ़ेगी। कार्यक्रम के अंत में पंजाबी खत्री अरोड़ा समाज के अध्यक्ष के. एल. गिल्होत्रा व मदन गोपाल कालरा ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन श्याम बिड़ला ने किया कार्यक्रम में रहछीपा, डाक्टर सी.पी.गोस्वामी, डॉक्टर पी. गुप्ता व उनकी टीम के एल गिल्होत्रा, एस.के.जैन, दिलीप तोशनीवाल, निशांत जैन,श्याम जी बिरला एम जी कालरा, एस एस गंभीर, अनिल जैन अविनाश माथुर,अमितजैन,दिलीप गोयल आर.के.जागेटिया आदि उपस्थित थे।

उत्कृष्ट श्रावक की क्रिया निभा रहे हैं शिवरार्थी

इंद्र इंद्राणियों ने उत्तम तप धर्म की पूजा नृत्य भक्ति के साथ की

टोंक. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन नसिया अमिरगंज टोंक में चल रहे जैन धर्मावलंबियों के दसलक्षण महापर्व के तहत सातवें दिन ''उत्तम तप धर्म'' की पूजा श्रद्धालुओं द्वारा की गई एवं बालाचार्य निपूर्णनंदी जी महाराज के ससंघ सानिध्य में चल रहे श्रावक संस्कार शिविर में शिवरार्थी प्रतिदिन प्रातः काल 5:00 बजे उठकर ध्यान, योग, प्रतिक्रमणउसके बाद अभिषेक एवं शांतिधारा के और दसलक्षण महामंडल विधान की पूजा अर्चना बड़े भक्ति भाव से कर रहे हैं दोपहर की बेला में सामायिक शास्त्रज्ञान, शास्त्रों का अध्ययन कर रहे हैं समाज के मंत्री धर्मेंद्र जैन पासरोटियां ने बताया कि इस शिवर में लगभग 100 महिलाओं पुरुषों ने भाग लिया जो सभी 10 दिनों में घर का त्याग कर जैन नसिया में ही धर्म के शास्त्रों का ज्ञान ले रहे हैं और उत्कृष्ट चर्या का पालन कर रहे हैं। समाज के ओम ककोड़ मुकेश अंकुर ने बताया कि दसलक्षण महापर्व के अंतर्गत प्रातः काल श्रावक को द्वारा नित्य नियम के अभिषेक ,शांति धारा के पश्चात नित्य नियम पूजा की गई तत्पश्चात दस लक्षण महामंडल विधान के अंतर्गत भगवान महावीर स्वामी, आदिनाथ भगवान, शांतिनाथ भगवान, सोलहकारण, दसलक्षण पूजा, पंचमेरु पूजा सोलहकारण पूजा रमेशकाला, राजेश, अनिल सर्राफ, विकास, आदि ने श्रीफल के 20 अर्घ्य समर्पित किये इस दस लक्षण महामंडल विधान में मधुर भजन ₹पंखिड़ा तू उड़ के जाना पावापुरीरे ₹ रंगमा रंगमा ₹₹ पारसनाथ के जयकारों से मधुबन गूंजा रे आदि भजनों पर टोंक सभापति लक्ष्मीदेवी जैन, नीलम सुतडा, सीमा देवली, रचना टोरडी, साक्षी जैन, अंजना मंडावर हेमा कांटान, रिंकी फुलेता,हेमा ककोड़, आदि महिलाओं ने भक्ति नृत्य किया सांस्कृतिक मंत्री विकासअत्तार ने बताया कि सायकाल को आरती, प्रश्न मंच ,स्वाध्याय, जिनवाणी ज्ञान दसलक्षण पर्व के तहत प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या उमड़ रही है सभी शिवराथी सुबह से लेकर रात तक जो क्रिया मुनी करते हैं उसको श्रावक रूप में कर रहे हैं और अपने जीवन को आगे कैसे संयमित किया जाए वह क्रिया सीख रहे हैं जल्दी उठना ध्यान सामायिक करना और नीरस भोजन करना आदि क्रिया कर कर अपने जीवन को लोभ से हटाकर संतोष की तरफ ले जाने का कार्य कर रहे हैं।

मन तो चंचल होता है, वह कहीं भी और किसी में भी लग सकता है : मुनि श्री विनय सागर जी

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। नगर में विराजमान मुनि श्री विनय सागर के सानिध्य में दशलक्षण पर्व के छठे दिन, मुनि श्री ने कहा जीवन में एक संयम और एक नियम तो होना ही चाहिये। मन के साथ शरीर को मत जोडो। अगर मन के साथ शरीर भी जुड़ गया तो फिर संयम का पालन करना असंभव हो जाएगा। ये बाते पंडित सुदेश जैन शास्त्री ने सोमवार को कही। वे दिगंबर जैन धर्म के पावन पर्व दशलक्षण पर्व के छठे दिन मंदिर में भक्तो को संबोधित कर रहे थे। उत्तम संयम धर्म के रूप में मनाये गए छठे दिन उन्होंने कहा कि मन तो चंचल होता है। वह कहीं भी और किसी में भी लग सकता है। इससे संयम नहीं टूटता है। लेकिन मन के सहारे शरीर को भी आप वहां पर ले गये तो संयम का पालन होना मुश्किल होता है। जिस तरह से धनुष के ऊपर बाण लगाएंगे अगर उसे छोडेंगे तो ही वह निशाने पर जाकर लगेगा और अगर हम धनुष पर बाण चढाएंगे ही नहीं तो बाण छूटेगा कैसे। इसी तरह से जीवन में उत्तम संयम धर्म की पालना करनी है तो मन रूपी धनुष पर कभी भी शरीर रूपी बाण मत चढाओ। अगर ऐसा होगा तो जहां मन जा रहा है। वहां आपका शरीर जाएगा ही नहीं और जब शरीर वहां तक जाएगा ही नहीं जहां तक मन जा रहा है तो उत्तम संयम धर्म कभी नहीं टूट सकता। बता दें कि पर्युषण पर्व के छठे दिन शुक्रवार को सुगंध दशमी जैन समाज की ओर से मनाई गई। जिसमे पूजा सुबह की गई शाम को धूप चढ़ाई गई। सुगंध दशमी पर शाम 7 बजे अहिंसा ग्रुप द्वारा महावीर कीर्तिस्तम्भ परिसर में जमीन से 30 फीट ऊंचे मानस्तम्भ पर चारों दिशाओं में विराजित भगवान की महाआरती भारी बरसात मै सम्पन्न हुई जिसमे सभी भक्तो को मिला मुनि श्री विनय सागर एवं छुलक श्री विधेय सागर जी का सानिध्य एवं मंगल आशीर्वाद आरती के पश्चात भिंड नगर के सभी पत्रकारों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमे चातुर्मास कमेटी द्वारा पत्रकारों का सम्मान किया गया सभी पत्रकारों ने लिया मुनि श्री से मंगल आशीर्वाद, कार्यक्रम का मंच संचालन मनोज जैन पार्षद द्वारा किया गया।

चित्रकूट कॉलोनी में भक्तामर दीप अर्चना का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर नवयुवक मंडल द्वारा दशलक्षण पर्व पर सांगानेर चित्रकूट जैन मंदिर में भक्तांमर दीप अर्चना का आयोजन हुआ। मीडिया प्रभारी दीपक जैन पहाड़िया ने बताया नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र जैन सोगानी, मंत्री मनीष पाटनी काशीपुरा, कोषाध्यक्ष प्रदीप बेध, मनीष सोगानी, प्रकाश लुहाड़िया , राजकुमार जैन, नवयुवक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। यह आयोजन विद्यासागर पदयात्रा संघ मनीष चौधरी टीम के द्वारा किया गया। सकल समाज ने भक्ति करते हुए इसका लाभ लिया। चित्रकूट प्रबंध कारिणी कमेटी सहित सकल दिगंबर जैन समाज उपस्थित हुई।

दश लक्षण पर्व आठवां दिन, उत्तम त्याग धर्म पर विशेष

उत्तम त्याग: सुपात्र को दें दान, त्यागें बुरी आदत, समय का दान करना भी जरूरी

डॉ. सुनील जैन, संचय ललितपुर

दसलक्षण महापर्व के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म की आराधना की जाती है। जो मनुष्य सम्पूर्ण पर द्रव्यों से मोह छोड़कर संसार , देह और भोगों से उदासीन रूप परिणाम रखता है उसके उत्तम त्याग धर्म होता है। सच्चा त्याग तब होता है जब मनुष्य पर द्रव्यों के प्रति होने वाले मोह , राग ,द्वेष को छोड़ देता है। दान हमेशा स्व और पर के उपकार के लिए किया जाता है। श्रावक को स्वयं तो दान देना ही चाहिए अपने बच्चों को भी धर्म स्थल के गुल्लकों में रोज कुछ दान करने का अभ्यास करवाना चाहिए । उनके यह संस्कार उनके धर्म की वृद्धि में सहायक बनेंगे । गृहस्थ के छह आवश्यक कार्यों में दान प्रतिदिन का कर्तव्य कहा गया है । सांसारिक सुख सुविधाओं को भोगने की इच्छा न करना ही त्याग धर्म है। आवश्कता से अधिक धन संग्रह न करना जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओ के अतिरिक्त अन्य का त्याग करना अच्छे कर्मो को करना ही त्याग धर्म है। ऐसे कर्म करने से उत्तम त्याग की प्राप्ति होती है। जैन परंपरा में दान चार प्रकार का बताया गया है। उत्तम पात्र को औषधि, शास्त्र, अभय, आहार दान देना चाहिए। धन की तीन गतियाँ हैं– दान, भोग और नाश। बुद्धिमत्ता इसी में है कि नष्ट होने से पहले उसे परोपकार में लगा दिया जाये। उत्तम कार्यों में दिया या लगाया हुआ धन ही सार्थक है, अन्यथा तो उसे अनर्थों की जड़ कहा गया है।आज दान के नए रूपों की भी आवश्यकता है जैसे श्रम दान , समय दान आदि । आज लोग धार्मिक कार्य के लिए पैसा जितना चाहे देने को तैयार हैं किन्तु समय और श्रम देना बहुत मुश्किल हो रहा है

।इसलिए भलाई के काम में जो धन नहीं दे पा रहा है किन्तु समय दे रहा है और ईमानदारी से श्रम कर रहा है वह भी उस पुण्य का उतना ही हकदार है जितना धन देने वाला । त्याग और दान, अहंकार और बदले की भावना से नहीं करना चाहिये। त्याग के बिना मनुष्य की शोभा नहीं होती। संसार में अधिकतर लोग अपनी ताकत और पैसे का व्यय इंद्रियों के पोषण और शरीर की रक्षा में करते हैं। परंतु बिरले लोग ही त्याग धर्म को अपनाकर आत्मिक निधि प्राप्त करते हैं। भोग विलास की चीजों और क्रोध, मान, माया, लोभ का त्याग सबसे बड़ा माना गया है और महत्वपूर्ण भी ।त्याग करने से लोभ और मोह कम होता है ।राग द्वेष से अपने को छुड़ाने का नाम त्याग है। त्याग और दान का सही प्रायोजन तभी सिद्ध होता है जब हम जिस चीज का त्याग कर रहे हैं या दान कर रहे हैं उसके प्रति हमारे मन में किसी प्रकार का मोह या मान सम्मान पाने का लोभ न हो। दान और त्याग में फर्क यह है की दान अपने लिये थोड़ा रख कर, थोड़ा दिया जाता है, जबकि त्याग में पूरा का पूरा छोड़ा जाता है। दान दूसरे की अपेक्षा से दिया जाता है, त्याग किसी की अपेक्षा से नहीं सिर्फ वस्तु को छोड़ा जाता है। दान प्रिय चीजों का होता है, जैसे झ जीवन दान, ज्ञान दान आदि। त्याग अप्रिय चीजों का जैसे कमजोरियां, बुराईयां। त्याग और दान, अहंकार और बदले की भावना से नहीं करना चाहिये। आचार्यों ने कहा है कि सुपात्र को दिया दान-परम्परा से मुक्ति का कारण है। कुपात्र को दिया दान–कर्मबंध का कारण है, संसार को बढ़ाने वाला है। लेकिन वांछा से रहित दान, कर्मक्षय का कारण है।उत्तम त्याग धर्म-भव बंधन से छुड़ाने वाला, मुक्ति का सोपान है।कविवर द्यानतराय जी तो यहाँ तक कहते हैं कि बिना दान के श्रावक और साधु दोनों ही बोधि यानि रत्नत्रय को प्राप्त नहीं करते।बिन दान श्रावक साधु दोनों, लहे नाहीं बोधि को।।हम सब भी अपनी-अपनी शक्ति अनुसार दान के भावों में प्रवृत्ति करते हुये उत्तम त्याग धर्म को धारण करे और मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर हों।

पुस्तक पाठक संगम में हुई उपन्यास 'सुगंधा' पर परिचर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, हिन्दी विभाग जयपुर और विश्व संवाद केन्द्र की ओर सें शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में पुस्तक पाठक संगम और लेखक के साथ संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवा उपन्यासकार मुरारी गुप्ता के चर्चित उपन्यास 'सुगंधा : एक सिने सुंदरी की त्रासद कथा' पर लेखक के साथ संवाद का आयोजन हुआ। उपन्यासकार मुरारी गुप्ता ने उपन्यास पर चर्चा करते हुए उपन्यास की भूमिका के बारे बात की। गौरतलब है कि हिन्दी सिनेमा की एक प्रख्यात अभिनेत्री के जीवन को आधार बनाकर लिखा गया उपन्यास 'सुगंधा' अपनी विषय सामग्री और लेखन शैली के कारण युवाओं में काफी लोकप्रिय हो रहा है। इस दौरान लेखक मुरारी गुप्ता ने विद्यार्थियों के उपन्यास और साहित्य से जुड़े सवालों और जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर डॉ दर्शना जैन ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय की डॉ रेखा पाण्डेय और डॉ प्रीति शर्मा ने स्वागत और धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन विश्व संवाद केंद्र के अशोक ने किया। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के सह संगठन मंत्री मनोज कुमार सहित विश्वविद्यालय के कई प्राध्यापक भी मौजूद रहे।

जल झूलनी एकादशी पर निकले ठाकुर जी के बैवाण, जलाशयों में स्नान के पश्चात हुई महाआरती

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। जिले में जल झुलनी एकादशी पर गांव- गांव, ढाणी -ढाणी में गाजे बाजे के साथ भगवान के बैवाण निकाले गए। भगवान के आगे भक्त गण भजन गाते, नाचते हुए चल रहे थे। नसीराबाद के निकटवर्ती ग्राम देरांठू के फडोल्या मन्दिर, राघुदास जी मन्दिर, बड़ी तेला ठाकुर जी मन्दिर, ढाबा मोहल्ले ठाकुर जी मन्दिर के बैवाण गाजे बाजे के साथ सदर बाजार से होकर जैन नसियां पहुंचे। जहां सभी बैवाणो को तालाब में जल विहार कराया गया। इसके पश्चात सभी बैवाणो में विराजमान ठाकुर जी की सामुहिक आरती कर प्रसाद वितरित किया गया। इसी तरह लम्बा बालाजी मोहल्ले से , खाती मोहल्ले, नये शिव मंदिर दगोल्या समाज व नये शिव मंदिर से भी ठाकुर जी के बैवाण गाजे बाजे के साथ तलाई पर पहुंचे । वहां पर भगवान के बैवाणो को तालाब में जल विहार करा कर, महाआरती कर प्रसाद वितरित किया गया। सांय को सभी बैवाण लम्बा बालाजी मंदिर पर पहुंचे। जहां आज रात्रि को भजन संध्या आयोजित हुई।

आत्मलीनता द्वारा विकारों पर विजय प्राप्त करना ही उत्तम तप धर्म : आचार्य सुंदरसागर महाराज

सुपार्श्वनाथ पार्क में दशलक्षण पर्व के सातवें दिन उत्तम तप धर्म की आराधना

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में दसलक्षण (पर्युषण) महापर्व की आराधना शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में सातवें दिन भी श्रद्धा व भक्तिभावना के साथ जारी रही। दशलक्षण महापर्व के सातवें दिन उत्तम तप धर्म की आराधना की गई। प्रवचन में आचार्य सुंदरसागरजी महाराज ने कहा कि समस्त रागादि भावों के त्यागपूर्वक आत्मस्वरूप में अपने में लीन होना यानि आत्मलीनता द्वारा विकारों पर विजय प्राप्त करना ही तप धर्म है।

कर्मों के क्षय, कर्मों की निर्जरा ओर विकारों को हटाने के लिए,कषायों को मंद करने के लिए, अपनी दृष्टि को निर्मल करने के लिए यह तप धर्म है। उन्होंने कहा कि सम्यक दर्शक दृष्टि से वस्तु स्वरूप को जानकर निजात्मा में लीन होना, अशुभ भावों को रोककर उन्हें शुभ भावों की ओर मोड़ देना एवं विषय विकारो से चित को हटाकर आत्मा में स्थिर होना ही उत्तम तप धर्म है। इच्छाओं को रोकना या सीमित करना ही तप धर्म का सार है। आचार्यश्री ने कहा कि तप धर्म का महत्व जो समझ लेता है उसके आत्मकल्याण की राह आसान हो जाती है। उत्तम तप की आराधना कर अपने जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है।इससे पूर्व प्रवचन में आर्यिका संस्कृति माताजी ने तप धर्म के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि मन की शुद्धि को कायम रखना ही उत्तम तप है। सूर्य तपता है तो प्रकाश देता है। मिट्टी तपती है तो कलश बनती है। शरीर तप करता है तो आत्मा भगवान बनती है। तप से ही सोना शुद्ध होता है। तप करने से ही कर्मों की निर्जरा होती है। समीचीन तप से केवलज्ञान मिलता है। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि दशलक्षण पर्व के सातवें दिन सुपार्श्वनाथ मंदिर में मुख्य शांतिधारा व आरती का सौभाग्य सुरेशकुमार पुष्पा,संजय पायल,सुशील स्वाति, तनिष्क समीक्षा, काव्या, आरीभ लुहाड़िया परिवार ने लिया। सौधर्मेन्द्र का इन्द्र व आरती का सौभाग्य रक्षादेवी, संदीप, संजय, राउल, तव्यय छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ।

दश लक्षण महापर्व महोत्सव के सातवें रोज उत्तम तप धर्म की हुई पूजा

इच्छाओं का नाश करना वीतराग भाव की वृद्धि करना ही उत्तम तप है : आचार्य श्री इन्द्र नंदी जी महाराज

डिग्गी. शाबाश इंडिया

धर्मपरायण नगरी डिग्गी में शांतिनाथ जिनालय साधना केन्द्र में चातुर्मास कालीन वाचना में विराजमान आचार्य श्री इन्द्रनंदी जी महाराज, मुनि श्री उत्कृष्ट सागर जी महाराज स संघ के पावन सानिध्य में अग्रवाल समाज 84 के तत्वाधान में अग्रवाल सेवा सदन में चल रहे दशलक्षण महापर्व के सातवें रोज उत्तम तप धर्म की पूजा हुई ,कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया की शांति नाथ जिनालय में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद विभिन्न धार्मिक क्रियाएं हुई कार्यक्रम में राजाबाबू गोधा एवं गोविंद जैन डिग्गी निवासी ने संयुक्त रूप से अवगत कराया कि कार्यक्रम में ज्ञानचंद- अशोक कुमार जैन धोली वाले डिग्गी निवासी ने श्रीजी की शांति धारा करने का सोभाग्य प्राप्त किया,इसी कड़ी में प्रेमचंद- प्रेमलता, प्रकाश चंद- सरिता, अमृतलाल मनीष, जैन लोहिया लावा वाले मालपुरा निवासी ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट करने का सोभाग्य प्राप्त किया कार्यक्रम में आचार्य इन्द्र नंदी जी महाराज ने तप धर्म पर प्रकाश डालते हुए अपने मंगलमय उदबोद्धन में श्रावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आत्म शुद्धि के लिए इच्छाओं को रोकना तप है, मानसिक इच्छाएं सांसारिक बाहरी पदार्थो में चक्कर लगाए करती है, शरीर को प्रमादी न बनने देने लिए बहिरंग एवं अंतरंग तप किए जाते हैं, उन्होंने कहा कि समस्त रागादि भावों को त्याग कर आत्म स्वरूप में लीन होने पर इच्छाओं का नाश होता है, विकारों पर विजय प्राप्त होने को उत्तम तप कहते हैं। इच्छाओं का निरोध करना ही तप है, वही मोक्ष का कारण है, जिन भावों से शुभ- अशुभ कर्मों का बंध होता है वह वास्तव में तप नहीं है, तप का मूल उद्देश्य है इच्छाओं का नाश करना, वीतराग भाव की वृद्धि करना ही उत्तम तप है *,गोधा ने अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम में आज राजुल-नेमी नाटक का भव्य मंचन किया गया, जिसमें दशलक्षण महापर्व के सौधर्म इन्द्र इन्द्राणी गोविंद जैन -श्रीमती राज जैन ने नेमी -राजुल नाटक का भव्य मंचन किया उक्त कार्यक्रम प्रेमचंद जैन लोहिया लावा वाले मालपुरा के दिशा निर्देश में हुआ।

विवेक विहार दिगंबर जैन मंदिर में दस लक्षण पर्व में सुगंध दशमी का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विवेक विहार दिगंबर जैन मंदिर में दसलक्षण पर्व के अवसर पर सुगंध दशमी मनाई गई ।समाज के प्रवक्ता नरेश मेड़ता ने बताया कि सुगंध दशमी के अवसर पर प्रातः काल अभिषेक के बाद ब्रह्मचारिणी रुबी दीदी एवं संगीतकार संजय जैन लाडनू के तत्वावधान में संगीतमय पूजा अर्चना का आयोजन हुआ, जिसमें महिला वर्ग और पुरुष वर्ग ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।दसलक्षण पर्व के संयोजक सुनील सरावगी ने इस आयोजन की भव्यता और धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि ब्रह्मचारिणी रुबी दीदी के द्वारा सुगंध दशमी के पावन पर्व की महंता बताई गई रुबी दीदी की विद्वता और श्रद्धा ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीतकार संजय जैन ने अपनी मधुर धुनों से इस धार्मिक माहौल को और भी पवित्र और आनंदमय बना दिया। उनके संगीत ने सभी के दिलों को छू लिया और सभी को एक नया उत्साह और ऊर्जा प्रदान की। इस पर्व के दौरान समाज के सभी सदस्य एकजुट होकर धर्म, भक्ति और समर्पण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। यह अवसर न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामुदायिक सहयोग और एकता का प्रतीक भी है।शाम को पुण्याजक परिवार शिखर चंद पंकज रारा परिवार के द्वारा सामूहिक आरती की गई आरती की गई।आरती के पश्चात मंगलाचरण किया गया जिसमें रिया जैन अन्वेशा जैन ने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया।समाज के अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस एवं मंत्री अरुण पाटनी ने सुगंध दशमी के पावन पर्व की समाज सदस्यों को बधाई दी उन्होंने कहा कि यह अद्वितीय पर्व हमारे समाज की एकता, संघटन और संस्कृति का प्रतीक है।इस मौके पर समाज के उपाध्यक्ष मुकेश सेठी, भागचंद पाटनी, सहमंत्री प्रवीण जैन, सुधीर छाबड़ा, कोषाध्यक्ष सुभाष कासलीवाल, सहकोषाध्यक्ष प्रणय पतंगया, धर्मचंद जैन, समिति के सदस्य गण एवं समाज सदस्य उपस्थित थे।

"मां की ममता छोटी पड़ गई" लधु नाटिका का हुआ मंचन

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि अनुसरण सागर महाराज के सानिध्य में शांतिनाथ जैन मंदिर में पर्युषण दशलक्षण महापर्व के दौरान विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल द्वारा मां की ममता छोटी पड़ गई नाटिका का मंचन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष सुनील भाणजा एवं प्रचार प्रसार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा आचार्य अभिनन्दन सागर महाराज के चित्र का लोकार्पण करके दीप प्रज्वलित किया गया। इस दौरान मुनि अनुसरण सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने बहुमुखी व्यक्तित्व का विकास करने एवं परिवार, समाज, राष्ट्र व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित बनने के लिए संगठन की परम आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन हर समय भगवान की भक्ति में अपना समय व्यतीत करना चाहिए। भक्ति में महान शक्ति है। जो कर्म श्रृंखलाएं अन्य उपायों से नहीं टूट सकती है वह निकाचित कर्म भी भक्ति से दूर हो जाते हैं।लधु नाटिका कार्यक्रम की शुरूआत बाल कलाकार बेबी वंशिका छाबड़ा एवं अवनी जैन ने मंगलाचरण किया। कार्यक्रम का संचालन मण्डल अध्यक्ष शशी सोगानी पिंकी कठमाणा एवं रितु चंवरिया ने किया। लधु नाटिका कार्यक्रम में मां का अभिनय सीमा भाणजा ने किया।मां की ममता छोटी पड़ गई लधु नाटिका में मां का दरबार लगाया गया जिसमें प्रीति लटुरिया संगीता झिलाय नेमीका कठमाणा रिन्की मोठूका राजूल भाणजा सपना भाणजा पूजा पहाड़ी कनिका सेदरिया रीतिका झिलाय दीक्षा माधोराजपुरा ज्ञानेश्वरी पहाड़ी रेखा चंवरिया बीना सेदरिया मेना मण्डावर एवं शानू जैन ने अभिनय किया।मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि मुनि अनुसरण सागर महाराज के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व के चलते शनिवार को उत्तम तप धर्म की विशेष पूजा अर्चना की गई।पूजा से पूर्व शांतिधारा करने का सौभाग्य महावीर प्रसाद मयंक कुमार हितेश कुमार जैन छाबड़ा को प्राप्त हुआ।सोधर्म इन्द्र सीताराम बोहरा एवं भागचंद सिरस को प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य मिला।दशलक्षण महापर्व के तहत पूजा आराधना में गायक विमल जौंला ने भजनों की प्रस्तुतियां दी जिसमे सुशील नीरा जैन त्रिलोक सिरस शकुंतला छाबड़ा महेश मोठूका रिन्की जैन नेमीचंद सिरस पदम सेदरिया राकेश पहाड़ी गिर्राज रामनगर ने भक्ति नृत्य किए। जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा ने बताया कि नसिंया जैन मंदिर में आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में आयोजित दशलक्षण महापर्व के तहत दशलक्षण मण्डल विधान का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्तम तप धर्म की विशेष पूजा अर्चना की।

जल झूलनी एकादशी पर ठाकुर जी को कराया नगर भ्रमण

उदयपुर. शाबाश इंडिया। ब्रह्मपोल स्थित कचेली तेली समाजजनों ने जलझूलनी एकादशी पर ठाकुर जी को नगर भ्रमण कराया। इस अवसर पर मंदिर प्रागण में भजन संध्या, रात्रि जागरण और अनेक प्रकार के आयोजन भी हुए। नगर भ्रमण के दौरान गली मोहल्ले से गुजरते समय बच्चों सहित बड़ों ने 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' के घोष किए। मार्ग में जगह जगह ठाकुर जी की सवारी का फूल बरसाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष जमना लाल सिंधल, किशन सोलंकी, रतन सिंधल, भगवान सिंधल, विनोद सिंधल, कमलेश सिंधल, पवन सिंधल, नितेश तेली, हितेश सिंधल, किशन सिंधल, कांता सिंधल, सोनिया सिंधल, स्वाति सिंधल, दीपिका सिंधल, वीनू सिंधल आदि मातृशक्ति तथा समाज के अनुयायियों की उपस्थिति रही। **रिपोर्ट/ फोटोः दीपक सिंधल**

दशलक्षण महापर्व का सातवां दिन

मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में आयोजित स्व धर्म साधना शिविर में श्रद्धालुओं ने मनाया उत्तम तप धर्म

फोटो: कुमकुम फोटो साकेत 9829054966

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर के मीरामार्ग स्थित आदिनाथ भवन में चातुर्मास कर रहे अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गोखले मार्ग स्थित सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 9 में शनिवार को दशलक्षण महापर्व का उत्तम तप धर्म मनाया गया। इस मौके पर मुनि श्री के सानिध्य में चल रहे 10 दिवसीय स्वधर्म शिविर के सातवें दिन उत्तम तप धर्म की पूजा की गई। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इससे पूर्व दस दिवसीय स्व धर्म शिविर प्रातः 5.30 बजे से 7.00 बजे तक उत्तम तप धर्म पर अर्हं योग एवं ध्यान करवाया गया। शिविर में प्रातः 5.00 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक आत्म साधना के साथ पूजा भक्ति के विशेष आयोजन किये गये। संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन के अनुसार शिविर में तत्वार्थ सूत्र का विधान प्रारंभ हुआ। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में तत्वार्थ सूत्र के सातवें अध्याय जो आस्त्रव सहित संवर तत्व का वर्णन करता है, के 39 सूत्रों का मर्म समझाते हुए कहा कि गृहस्थ (अगारी) अणुव्रत धारण कर सकता है। महाव्रत तो अनगारी ले सकता है। पांच अणुव्रत, 3 गुण व्रत, 4 शिक्षा व्रत के बारे में बताया कि उनकी 5-5 भांवनाऐ एवं अतिचार और उसके उपाय के बारे में बताया। संल्लेखना के अतिचारों को भी इन सूत्रों के माध्यम से बताया। मुनि श्री ने कहा कि यदि हम नियम लेते हैं तो उनको याद रखते हुए दृढ़ता से उसका पालन करे। हमें यदि अपना पथ मोक्ष रखना है तो इस अध्याय के सूत्रों को गहनता से अपने जीवन में उतारना होगा। इस मौके पर 1500 से अधिक शिविरार्थियों ने अर्घ्य समर्पित किये। इससे पूर्व आठ प्रतिमाधारी धर्म चन्द जैन बाकलीवाल परिवार द्वारा धर्म सभा का दीप प्रज्जवलन व मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ आई ए एस डॉ समित शर्मा, उनकी धर्म पत्नी डॉ सोनिया जैन, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधान्शु कासलीवाल, प्रशासनिक समन्वयक भारतभूषण जैन ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी अतिथियों ने मुनि श्री के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट का पुण्यार्जन प्राप्त किया। चातुर्मास समिति की ओर से स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया। डॉ समित शर्मा ने अपने उदबोधन में जैन धर्म के विभिन्न पहलुओं एवं जैन संस्कृति के गुणों पर अपने विचार व्यक्त किए। सायंकाल प्रश्न मंच, आरती, प्रतिक्रमण पाठ के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष

लोकेन्द्र जैन राजभवन वाले, संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, अरुण श्रीमाल, एडवोकेट राजेश काला, अशोक गोधा, अशोक छाबड़ा, विजय झांझरी आदि ने सहभागिता निभाई। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि रविवार 15 सितम्बर को मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व के दौरान उत्तम त्याग धर्म मनाया जाएगा इस मौके पर प्रातः 5.30 बजे से 7.00 बजे तक अर्हं योग ध्यान, 7 बजे से श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, तत्वार्थ सूत्र विधान होगा। प्रातः 9.00 बजे मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। दोपहर में 1.30 बजे से धर्म की कक्षा, तत्वार्थ सूत्र प्रवचन, दशम धर्म कक्षा, सायंकाल 6.00 बजे से प्रश्न मंच, आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

विनोद जैन कोटखावदा

सीता रॉयल लेक साइड शैले होटल का उद्घाटन कल 16 सितंबर को

आकर्षण का केंद्र बनेगा शहर का पहला वीगन रेस्टोरेंट

उदयपुर. शाबाश इंडिया

आमजन सहित पर्यटकों को सर्वसुविधा उपलब्ध कराने के लिए नगर विकास प्राधिकरण के पास स्थित सीता रॉयल लेक साइड शैले होटल तैयार है। इसका 16 सितम्बर को विधिवत उद्घाटन महाराष्ट्र की केमेक्सिन कंपनी के वाइस चेयरमैन डॉ.सतीश डब्ल्यू वाघ करेंगे। होटल के सह निदेशक गुरूदास वर्मा ने बताया कि आधुनिक लक्जरी बुटीक होटल की श्रेणी में तैयार इस होटल में मेहमानों को पारंपरिक आतिथ्य और आराम का सही मिश्रण प्रदान किया जाएगा। उदयपुर की समृद्ध संस्कृति से प्रेरित होटल आज के समझदार पर्यटकों की जरूरतों को पूरा करते हुए एक शाही आकर्षण का प्रतीक है। देश में 10 प्रतिशत लोग वीगन खाने को पसन्द करने लगे है। ऐसे में कंपनी प्रबन्धकों ने वीगन खाना खाने वालों के लिये पूर्णतया वीगन मेन्यू उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। होटल के सह निदेशक संजय प्रभु ने बताया कि बुटीक होटल पर्यटकों के प्रवास को बेहतर बनाने के लिए शीर्ष स्तरीय सुविधाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है। जिसमें लक्जरी आवास के उत्कृष्ट रूप से डिजाइन किए गए कमरों और सुइट्स आराम और गोपनीयता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। होटल में स्थापित स्पा और वेलनेस में समग्र स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के लिए प्राचीन तकनीक आधुनिक उपचारों से मिलती हैं। होटल में इवेंट के लिये पर्याप्त स्थान का निर्माण किया गया है। कॉर्पोरेट रिट्रीट हो या पारिवारिक उत्सव आयोजन आरामदायक स्थिति में हो सकेंगे। पैच ऑफ स्काई के नाम से बना रूफटॉप रेस्तरां व्यापक मनोरम दृश्यों के साथ लजीज भोजन अनुभव प्रदान करेगा। मेनेजमेन्ट एक्सपर्ट राहुल शर्मा ने बताया कि सीता रॉयल लेक साइड शैलेट के कैफे में एक आरामदायक और स्टाइलिश स्थान उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है जो कॉफी, पारंपरिक व्यंजनों और आरामदायक माहौल के सही मिश्रण की अपेक्षा करते है। इसी तरह, लाउंज- पार्टी में जाने वाले उत्साही लोगों के लिए विविध संगीत और भोजन के साथ हमारी समर्पित इवेंट टीम प्रतिबद्ध है।

रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'

कलाकुंज जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के सातवें दिन मनाया उत्तम तप धर्म

आगरा. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर कलाकुंज मारुति स्टेट में कलाकुंज मंदिर समिति के तत्वावधान में दशलक्षण महापर्व के सातवें दिन 14 सितम्बर को उत्तम तप धर्म के रूप में मनाया गया।जिसमें भक्तों ने श्रीजी की प्रतिमाओं का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा कोविधानाचार्य पीयूष जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में उपस्थित सभी भक्तों ने मंत्रोच्चारण के साथ उत्तम संयम धर्म की पूजन की क्रियाएं संपन्न कीं । पंडित पीयूष जैन शास्त्री ने उत्तम तप धर्म के बारे में भक्तों को बताते हुए कहा कि यदि पापों से मुक्ति पानी है तो जीवन में तप को स्थान दो क्योंकि तप से ही कर्मों की निर्जरा हो सकती है। इसलिए मानव जीवन में तप करना अति आवश्यक है तभी हम परमात्मा को पा सकते है। उसे उत्तम तप धर्म कहते हैंसायः 7:00 बजे भगवान महावीर की मंगल आरती की गई इस अवसर पर मंदिर के अध्यक्ष रवींद्र कुमार जैन, मुकेश जैन, आदित्य जैन, विकास जैन, राजीव जैन, संजय जैन दीपांशु जैन, राजा जैन, अंकित जैन, विवेक जैन, पवन जैन, शुभम जैन, कलाकुंज जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट : शुभम जैन

सेठी कॉलोनी जैन मंदिर में हुई भजन संध्या

देर रात तक भक्ति की मस्ती में झूमते रहे श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। आगरा रोड,सेठी कॉलोनी स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में दषालक्षण महापर्व के तहत सुगंध दशमी पर भजन संध्या हुई। इस अवसर पर भजन संध्या में ख्याति प्राप्त भजन कलाकार संजय रायजादा व गायिका नेहा काला ने ने दश लक्षण मैं पूजूंगा भादो को आने दो..स्वामी महावीर सिद्धार्थ का प्यारा...भजनों के माध्यम से देर रात तक भक्ति रस बरसाया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर भक्तों का समूह भक्ति की मस्ती में झूम उठा। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष दीन दयाल जैन पाटनी व मंत्री धमीचंद कासलीवाल ने बताया कि भजन संध्या का शुभारंभ अनीता दीवान ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस बाद मंगलाचरण हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा,विषिष्ठ अतिथि पार्षद नीरज अग्रवाल रही। सभी अतिथियों का स्वागत मंदिर के पदाधिकारियों ने किया। इसके बाद भजन कलाकार भजन गायक संजय रायजादा व गायिका नेहा काला ने दश लक्षण मैं पूजूंगा भादो को आने दो..स्वामी महावीर सिद्धार्थ का प्यारा...प्रभुजी आछी लगी रे थारी प्रीतड़ी..महावीरा मै तेरे गुण गाऊँ..-बाहुबली भगवान का मस्तकाभिषेक...जैसे भजनों के माध्यम से भक्ति रस बरसाया। इस दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया।

आजकल लाइलाज बीमारियां क्यों हो रही हैं जबकि आज से कुछ वर्ष पूर्व ऐसा बिलकुल भी नहीं था?

पहले बीमारियों होती नहीं थी। साधारण बीमारी को घरेलू नुस्खे ठीक कर लेते थे कुछ बडी हुंई तो वैध जी और बडी हुई तो मर कर पिंड कटता था । अब जरा जरा सी बात पर दवा खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त या कमजोर होने से नए नए रोग जन्म लेते हैं। कुछ को तो मानव अपनी प्रयोग शाला में तैयार करते है वह फिर अपने आप दुसरे से मिलकर (म्यूटेशन) नए रूप में आ कर अपनी मारक क्षमता बढा लेते हैं जैसे 'करोना' में हो रहा है। हमारी अपनी जीवन शैली खान पान सब मिलकर इस नई स्थिति को बना रहे हैं । यह सब पहले नहीं था जो अब है । यही कारण है कि अब यह अधिक देखने में आ रहा है। यह एक भ्रम है कि अब अधिक लाइलाज बीमारियां हुईं है और पहले ऐसा बहुत कम होता था। आपको बहुत से लोग मिल जायेंगे जो कहेंगे कि पहले के समय में लोग अधिक जीवित रहते थे। यह बिलकुल गलत बात है। 1800 से 1935 तक भारत में औसत जीवन प्रत्याशा 30 साल से कम थी। आजादी के समय भारत के लोग औसत 33-34 साल जीते थे और 1975 तक यह 50 साल के आस पास थी। आज यह लगभग 70 साल तक पहुंच गया है। मतलब आज भारत के लोग आधुनिक इतिहास में सबसे अधिक जीवित रह रहे है। आप पुराने डाटा को नहीं मानेंगे लेकिन पिछले 40-50 साल के डाटा पर तो आपका विश्वाश होगा ही। आप अपने घर के 100 - 150 साल के इतिहास को देख ले और अगर आप गांव से आते है तो इस बात की बहुत संभावना है कि आपके घर में पहले किसी न किसी की मृत्यु बहुत जल्दी हुई होगी (मेरे परिवार में इसके बहुत उदहारण है)। पहले तो लोगों को बीमारियों नहीं चलता था और लोग काल के ग्रास बन जाते थे। समय के साथ बहुत बीमारियां या तो नई आयी है (जैसे एड्स) नहीं तो अब वो अधिक लोगों को होती है (मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर इत्यदि)। आप कैंसर बीमारी को ही ले - यह कोई नयी बीमारी नहीं है और शुरू से ही लोगों को होती रही है लेकिन पहले पता नहीं चल पाता था। पहले के लाइलाज बीमारियां जैसे कालाजार, पोलियों , टीबी इत्यादि का अब अच्छा इलाज होता है। एंटीबायोटिक्स के खोज हुए अभी सौ साल भी नहीं हुआ है। जैसे जैसे विज्ञान उन्नति कर रहा है वैसे वैसे वायरस , बैक्टीरिया भी अपने आप को बदल रहा है। आज कोरोना वायरस है तो 1918 में स्पेनिश फ्लू आया था । ऐसा माना जाता है कि स्पेनिश फ्लू में लगभग पौने दो करोड़ भारतीय मारे गए थे और कोरोना में उससे कई अधिक जनसँख्या होने के बाद भी कम लोग ही मरे है। आपको हर समय में कुछ लोग मिल जायेंगे जो बहुत जीते है लेकिन आप कुछ लोगो को देख कर अपनी धारणा नहीं बना सकते है। हर समय की अपनी दिक्कतें होती है जिससे अधिक बीमारी फैलती है - जैसे अभी प्रदुषण और प्राकृतिक खाने है , पहले स्वछता की दिक्कत थी (लोग शौच करने बाहर जाते थे) इत्यादि। आपके आज अधिक समय जीने की संभावना आपके कई पीढ़ी से अधिक है। यह कहना सही नहीं होगा कि असाध्य रोग पहले की तुलना में आजकल अधिक बार हो रहे हैं। असाध्य रोग हमेशा से मौजूद रहे हैं, और इन रोगों के इलाज और इलाज खोजने के लिए पूरे इतिहास में प्रयास जारी रहे हैं। आयुर्वेद और योग को अपनाकर स्वस्थ और लंबा जीवन संभव है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

पश्चिमपुरी जैन मंदिर में मनाया उत्तम तप धर्म

आगरा. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के सबसे बड़े पर्व दशलक्षण पर्व पर सातवें दिन 1008 चिंतामणि श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पश्चिमपुरी में बड़े ही धूमधाम के साथ उत्तम तप धर्म की पूजा अर्चना की गई. दशलक्षण पर्व के सातवें दिन चिंतामणि श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पश्चिमपुरी में भगवान पार्श्वनाथ के साथ वेदी पर विराजमान सभी भगवान की प्रतिमाओं के अभिषेक एवं शांतिधारा की मांगलिक क्रियाओं को दमोह मध्य प्रदेश से आये पंडित रितेश शास्त्री ने पुरे विधि विधान के साथ कराया। मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान के प्रथम अभिषेक का सौभाग्य अक्षय कुमार जैन और द्वितीय अभिषेक करने का सौभाग्य राजीव जैन को प्राप्त हुआ। वही भगवान आदिनाथ के प्रथम अभिषेक का सौभाग्य गौरव जैन और भगवान श्री महावीर के प्रथम अभिषेक का सौभाग्य रवींद्र जैन को प्राप्त हुआ। पाण्डुक शिला पर विराजमान श्री शांतिनाथ और भगवान श्री पार्श्वनाथ के मस्तक पर अभिषेक करने का सौभाग्य मणि कुमार जैन मृगांक जैन संजीव जैन शैलेंद्र जैन प्राप्त हुआ. वही चार कलश करने का सौभाग्य क्रमशः अभिषेक, अनुज जैन,राहुल जैन सुजय जैन,राहुल जैन ने प्राप्त कियोशाम को मंदिर जी में संगीतमय मंगल आरती का आयोजन हुआ जिसमें सभी भक्तों ने हाथों में दीपकों लेकर भगवान की मगल आरती उतरी। आरती के उपरांत दमोह मध्य प्रदेश से आये पंडित रितेश शास्त्री ने उत्तम धर्म पर शास्त्रों का वाचन कराया। शास्त्री जी ने बताया शास्त्रों में वर्णित बारह प्रकार के तप से जो मानव अपने तन मन जीवन को परमार्जित या शुद्ध करता है उसके समस्त जन्मों के कर्म नष्ट हो जाते है वाचन के उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गए जिसमे पार्श्व उपासक मंडल द्वारा मुक्ति सोपान नाटक का मंचन किया गया जिसे सभी ने काफी सराहा। इस कार्यक्रम में राजेश जैन,मंत्री राहुल जैन,कोषाध्यक्ष संजय जैन,अनुराग जैन,पंकज जैन,अमित जैन,अमर जैन,विपिन जैन,विशाल जैन,रवि जैन, मीडिया प्रभारी चक्रेश जैन,पंकज जैन जीएसटी आदि लोगो बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : चक्रेश जैन**

उत्तम तप धर्म पर की पूजा अर्चना

दिगंबर जैन मंदिर श्योपुर प्रभु के जयकारों से गुंजा

जयपुर. शाबाश इंडिया। दशलक्षण महापर्व पर शनिवार को उत्तम तप धर्म पर दिगंबर जैन मंदिर श्योपुर में पूजा अर्चना की ।इस अवसर पर मंदिर जी में प्रातः 6.30 बजे लगभग 125 श्रावको द्वारा प्रभु जी का सवा घंटे तक बच्चे से लेकर बड़े तक ने अभिषेक शांतिधारा की पंडित जी ने इस अवसर पर उत्तम तप धर्म पर प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य रमेश चंद तेजकरण दीपक नवीन कुमार कागला फागी वाले परिवार को मिला। दूसरा नेमीनाथ जी के आशीष पीपलू वाले तीसरा पारसनाथ जी के नरेश निमेष गंगवाल को मिला। मुनिसुव्रत भगवान के शांतिधारा का सौभाग्य गौरव कुमार सौरभ कुमार पाटनी को मिला। मासिक शांतिधारा का सौभाग्य पदम चंद सतीश कुमार जैन माधोराजपुरा को मिला। मंदिर जी में चल रहे दशलक्षण विधान में सोधर्म इंद्र विनोद कुमार दाखिया और कुबेर इंद्र दिलीप पाटनी सहित इंद्र इंद्राणियो ने भक्ति भाव के साथ तप धर्म पर पूजा अर्चना की विधान के पुण्यजर्क चांदमल मनोज कुमार निमोडिया थे। प्रभु जी का अभिषेक के दौरान सभी ने केसरिया केसरिया, कलशा डालो रे आदि भजनों पर भक्तो ने भक्ति नृत्य किया।

स्वाध्याय में समझाया इच्छाओं पर काबू पाना ही सच्चा तप

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी -ज्योतिनगर जैन मंदिर में गुरुवार को दस लक्षण महापर्व महोत्सव में तप धर्म की पूजन का आयोजन हुआ ।प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि प्रातः विधान मण्डल पाण्डुशीला पर शान्तिधारा करने का सोभाग्य मनीष शीला सेठी परिवार को व नवीन जैन मित्रपुरा परिवार को तथा वेदी पर महावीर बिंदायक्या , अजय जैन को मिला। इसके बाद नित्य पूजन व तप धर्म विधान पूजन शिखर चन्द किरण जैन द्वारा साज बाज के साथ कराते हुए शाम को स्वाध्याय में समझाया की इच्छाओं पर काबू पाना ही सच्चा तप है ।सभी ने पूजा के बाद तप धर्म के 108 जाप्य स्वाहा स्वाहा बोलते हुए किये गये । इधर रात्रि में महिला जागृति संघ द्वारा धार्मिक नाटक का मंचन किया जिसका आयोजन महिला मंडल ने किया ।

दशलक्षण महापर्व में श्री जी की महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुगंध दशमी पर दुर्गापुरा निवासी समाजश्रेष्ठी हर्षचन्द,मनोज कुमार,सम्यक कुमार सौगानी, पहाड़ी वाले द्वारा आयोजित सायंकाल 6.15 बजे दुगार्पुरा के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में देवाधिदेव 1008 श्री चन्द्रप्रभु भगवान की संगीतमय महाआरती के भव्य आयोजन में सहभागिता निभाकर पुण्यार्जन प्राप्त किया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, यशकमल अजमेरा, सुखानन्द काला, मंदिर समिति अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड, मंत्री राजेन्द्र काला, उपाध्यक्ष नरेश बाकलीवाल, रेखा पाटनी, छोटा गिरनार के अध्यक्ष प्रकाश बाकलीवाल सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। इससे पूर्व महाआरती के लिए बैण्ड बाजों के साथ सोगाणी परिवार नाचते गाते मंदिर जी के लिए रवाना हुआ।